वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 168 | रविवार 15 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

नेट थिएट पर भजन प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कथक सिस्टर खुशी और भावना ने दी शानदार प्रस्तुति, राम और कृष्ण के सुनाए भजन

जयपुर. कासं। नेट-थिएट कार्यक्रमों की शृंखला में भजन मनका कार्यक्रम में उभरती युवा भजन गायक कथक सिस्टर खुशी कथक और भावना कथक ने प्रस्तुति दी। कलाकारों ने अपनी सुरीली वाणी से राम और कृष्ण के भजनों का गुलदस्ता पेश कर दर्शकों को भक्ति रस से सराबोर किया। नेट-थिएट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कथक सिस्टर ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत

मेरे राम प्रभु आएंगे, घर घर आज सजाएंगे, मेरे राम प्रभु आएंगे सुनाकर की। इसके बाद दोनों बहनों ने कृष्ण भजन कान्हा तुम में है क्या, दौड़ी दौड़ी चली आऊं, जमुना किनारे- जमुना किनारे भजन को बडे ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कलाकार ने इसके बाद भजनों की कडी में मैं तो गोविंद रा गुण गांवां रे सुनाया और उसके बाद मां का भजन भक्तों को प्यारा लागे मां का द्वार सुनाया तो भक्ति रस की गंगा बहने लगी। इनके साथ हारमोनियम पर सुप्रसिद्ध कलाकार सांवरमल कथक ने और तबले पर मोहित चौहान ने असरदार संगतकर भजनों की इस सुरीली शाम को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, प्रकाश मनीष योगी एवं संगीत सागर गढवाल ने किया। मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

पैर की चोटों और इनके इलाज पर हुई चर्चा

सिफाम में एक्सपर्ट ने दी जानकारी, स्टेम सेल से कार्टिलेज बढ़ाकर ठीक हो जाएगा टखने का गलना

जयपुर

अत्याधिक उपयोग से टखने की हड्डी में गलाव हो जाता है जिससे होने वाले तेज दर्द को अब अत्याधुनिक तकनीक से ठीक किया जा सकता है। गलाव कम होने पर माइक्रो फ्रैक्चर और ज्यादा होने पर स्टेम सेल तकनीक से इसका उपचार किया जा सकता है। इसके लिए की-होल सर्जरी होती और जल्दी रिकवरी के बाद मरीज जल्दी सामान्य दिनचर्या में लौट सकता है। सिकॉट और इंडियन फुट एंड एंकल सोसायटी (आईएफएएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सिफाम 2023 ने देश विदेश से आए एक्सपर्ट्स ने यह जानकारी दी। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. राहुल उपाध्याय ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में आठ इंटरनेशनल स्पीकर्स सहित देश के अलग अलग शहरों से 200 से अधिक एक्सपर्ट्स भाग ले रहे हैं। पहले दिन कैडेवर वर्कशॉप भी आयोजित की गई जिसमें चिन्हित 24 डॉक्टर्स को हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी दी गई। रविवार को हुए अलग-अलग सत्रों में मिनिमल इनवेसिव और ऑर्थस्कोपी सर्जरी की नई तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. आरएम चांडक ने पिलोन फ्रैक्चर, डॉ. राजीव वोहरा ने डायबिटिक मरीजों में एंकल फ्रैक्चर, डॉ. एलास्टेयर यंगर ने फ्लैट फीट पर अपना टॉक दिया। डॉ. लकी जयसीलन ने एंकल

की पुरानी चोटों के उपचार के बारे में बताया कि कई बार एंकल की हड्डी गलने लगती है जिससे मरीज को बहुत दर्द होता है। अगर गलावट कम है तो माइक्रोफ्रैक्चर तकनीक से प्रभावित हिस्से के आस-पास ड्रिलिंग से छोटे-छोटे छेद किये जाते हैं। इससे शरीर की प्रतिरक्षी कोशिकाएं उन जगहों को भर देती है और पूरी चोट रिकवर हो जाती है। वहीं गलावट ज्यादा होने पर कार्टिलेज का सैंपल लैब में लाकर उसे स्टेम सेल से बढ़ाया जाता है और उस बढ़े हिस्से से प्रभावित जगह को भरा जाता है।

भारत की जीत के लिए हनुमान चालीसा का पाठ

राजस्थान यूनिवर्सिटी के गेट पर छात्रों ने किया हवन, पाकिस्तान के खिलाफ जीत की प्रार्थना की

जयपुर. कासं

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लीग स्टेज का सबसे बड़ा मुकाबला यानी भारत-पाकिस्तान मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत-पाकिस्तान के मैच को लेकर खेल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। भारत की जीत के लिए प्रशंसक हवन और पूजा-पाठ कर रहे हैं। राजधानी जयपुर में मैच शुरू होने से पहले राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के सामने

हवन करने के साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और भारत की जीत की प्रार्थना की गई। इस दौरान हिंदुस्तान जिंदाबाद, वंदे मातरम, जीतेगा भाई जीतेगा भारत जीतेगा के नारे भी लगाए। छात्र नेता अनिकेत शर्मा ने कहा कि कोई भी शुभ कार्य करने से पहले भगवान की पाठ पूजा की जाती है। हमने भी राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर हवन और हनुमान चालीसा का पाठ कर भारतीय टीम की जीत के लिए भगवान से प्रार्थना की। उन्होंने कहा- 1992 से लेकर अब तक वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 7 बार मैच हुए हैं, जिसमें भारत को जीत मिली है। इस बार भी टीम इंडिया को पाकिस्तान से हराकर 8वीं जीत का रिकॉर्ड बनाएगी।

भारत ने सभी मैच जीते

वनडे विश्व कप की बात करें तो 1992 से लेकर अब तक दोनों टीमों के बीच सात मैच खेले गए हैं और सभी में भारतीय टीम को जीत मिली है। वहीं दोनों टीमों के बीच अब तक 134 वनडे खेले गए हैं, जिनमें 56 में भारत और 73 में पाकिस्तान को जीत मिली है, जबकि 5 मैच बेनतीजा रहे हैं। वहीं भारत में अब तक दोनों टीमों के बीच 30 वनडे खेले गए, 19 में पाकिस्तान और महज 11 में भारत को जीत मिल सकी।

झुमरीतिलैया में चातुर्मास कर रहे श्रमण मुनी परम तपस्वी 108 सुयश सागर जी का दीक्षा जयंती मनाया

झुमरीतिलैया, कोडरमा. शाबाश इंडिया

जैन संत परम पूज्य 108 सुयश सागर गुरुदेव का 14वां दीक्षा महोत्सव बड़े ही भक्ति पूर्वक धूमधाम के साथ मनाया गया । पूरे भारतवर्ष से सैकड़ो भक्त गुरुदेव के दर्शन और आशीर्वाद के लिए पहुंचे जैन समाज के द्वारा आज झुमरीतिलैया में चातुर्मास कर रहे श्रमण मुनी परम तपस्वी 108 सुयश सागर जी का दीक्षा जयंती मनाया गया। प्रातः विश्व शांति मंत्रों से स्वर्ण झारी के द्वारा भगवान की अभिषेक एवं ध्वजारोहण कोलकाता से आए भागचंद विनीत कुमार छाबड़ा सौभाग्यशाली परिवार ने किया इन पुण्यार्जक परिवार को घोड़े की बग्गी में बैठाकर समाज के लोगों ने नगर भ्रमण कराया बैंड बाजा और गुरुदेव के जयकारों का भक्त जनों ने जय घोष किया देश प्रदेश दुर्ग रायपुर रायगढ़ बलोदा बाजार जयपुर कोलकाता खूंटी हजारीबाग गया से आए हुए सैकड़ो भक्तजन परिवार ने गुरुदेव के चरण को धोया और अपने जीवन को कृतार्थ किया भक्त जन के द्वाराउन्हें शास्त्र भेंट किया गया जैन समाज महिला समाज बालिका समाज जैन युवक समिति ने संगीत मय नृत्य के द्वारा अष्ट द्रव्य से गुरुदेव की पूजा अर्चना की समाज के मंत्री ललित सेठी चातुर्मास कमेटी के संयोजक पदाधिकारी और संपूर्ण जैन समाज ने पूज्य श्रमण मुनि 108 सुयश सागर जी गुरुदेव को ₹जिन शासन प्रभावक₹ की उपाधि से अलंकृत किया आज दीक्षा महोत्सव पर पूज्य संत सुयश सागर जी ने अपनी अमृतवाणी में कहा कि यह संसार असार है राग से वैराग्य की ओर जाना ही आत्म कल्याण और मोक्ष की प्राप्ति का रास्ता है गुरु बहुत उपकारी होते हैंलक्ष्य यदि निश्चित हो तो व्यक्ति सही मार्ग पर पहुंच ही जाता है जैन धर्म में मोक्ष की प्राप्ति के लिए दीक्षा लेना आवश्यक है बिना दीक्षा के आत्म कल्याण संभव नहीं है दीक्षा लेकर ही सम्यक दर्शन ज्ञान चारित्र को प्राप्त किया जा सकता है तत्वों का निर्णय एकांत में ही हो पाता है भीड़ में नहीं व्यक्ति को पुण्य कर्म के उदय होने पर ही मान सम्मान और यश वैभव मिलता है संसारी व्यक्ति अधिक पाप कमाता है बैरागी व्यक्ति आत्म कल्याण में लीन रहता है यह मन वचन शरीर कैसे प्रसन्न हो इसके लिए कार्य करना चाहिए जब समय आता है तब समय चला जाता है इसलिए अच्छे समय का इंतजार नहीं करना चाहिए जीवन का हर पल आत्म कल्याण और धर्म सेवा भाव में लगाना चाहिए सुबोध गंगवाल ने गुरुदेव के प्रति अपने भजनों के द्वारा भक्ति प्रदर्शित की समाजसेवी किशोर जैन पांडया सुशील जैन छाबड़ा सुरेश झाझंरी उपाध्यक्ष कमल सेठी सह मंत्री राज छाबड़ा कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला सरोज पापड़ीवाल पप्पू छाबड़ा सुनीता सेठी ममता सेठी संदीप सेठी मनीष सेठी निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन ने पूज्य गुरुदेव के दीक्षा महोत्सव पर उनको नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया मीडिया प्रभारी नवीन जैन और राजकुमार अजमेरा ने बताया कि आज रात्रि में जैन संत सुयश सागर जी के जीवन पर ''सुयश का यश गुरु गौरव गाथा'' एकांकी नाटक के द्वारा समाज के बच्चों के द्वारा किया जाएगा जिसके परियोजना निदेशक लोकेश पाटौदी है ।

अहिंसा, शाकाहार व जीओ और जीने दो का प्रचार-प्रसार

जयपुर की सबसे बड़ी पदयात्रा आज (रविवार को) पहुचेगी श्री महावीर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो, अहिंसा, शाकाहार के प्रचार प्रसार एवं जैन धर्म की प्रभावना बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में मंगलवार,10 अक्टूबर को संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं संयोजक सुशील जैन के नेतृत्व में संघीजी की नसिया खानिया से रवाना हुई जयपुर से श्री महावीर जी की 37 वीं पदयात्रा रविवार,15 अक्टूबर को श्री महावीरजी पहुचेगी। इस मौके पर श्री महावीरजी में पदयात्रा संघ की ओर से विभिन्न धार्मिक आयोजन किये जायेंगें। पदयात्रा संघ के प्रचार संयोजक एवं कार्यकारिणी सदस्य विनोद जैन 'कोटखावदा'के मुताबिक रविवार,15 अक्टूबर को प्रातः चांदनगांव से विशाल जुलूस के रुप में नाचते गाते पदयात्री मुख्य मंदिर पहुचकर भगवान महावीर के दर्शन करेगे। कटला प्रांगण में सामूहिक प्रार्थना एवं क्षमावाणी कार्यक्रम के बाद प्रातः 11.00 बजे से साजों के साथ श्री शांतिनाथ विधान पूजा की जाएगी। संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक दोपहर में पदयात्रियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जावेगा। सायंकाल महाआरती तथा भक्ति संध्या के आयोजन किए जाएंगे। इसके बाद पदयात्री बसों द्वारा प्रस्थान कर वापस जयपुर लौटेंगे। जैन के मुताबिक पदयात्रा में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुई हैं। सह संयोजक पवन जैन नैनवां एवं सोभाग मल जैन ने बताया कि पदयात्रा समापन पर पदयात्रियों के लिए श्री महावीरजी से जयपुर आने के लिए संघ की ओर से बसों की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 आज से

शाही लवाजमें के साथ आज निकलेगी श्री अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रवाल समाज समिति के तत्वावधान में श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 का शुभारंभ रविवार को ध्वजारोहण व महाराजा अग्रसेन की शाही लवाजमे के साथ निकलने वाली शोभयात्रा से होगा। शोभायात्रा में 20 हजार से अधिक अग्रबंधु भाग लेंगे। महोत्सव की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। महोत्सव के मुख्य संयोजक व प्रभारी उपाध्यक्ष पवन गोयल होटल सफारी वालों ने बताया कि जयंती महोत्सव का शुभारंभ रविवार को सुबह 9 बजे श्री अग्रवाल समाज समिति समिति के कार्यालय पर ध्वजारोहण समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला करेंगे। इसके बाद श्री अग्रसेन मंदिर में पूजा-अर्चना व आरती की जाएगी। प्रभारी उपाध्यक्ष सुनील मित्तल व कोषाध्यक्ष प्रहलाद राय दादियावाले ने बताया कि इसी दिन शाम को 4 बजे महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा चांदपोल बाजार के श्रीअग्रवाल सेवा सदन से निकाली जाएगी। शोभायात्रा त्रिवेणीधाम के श्रीराम रिछपाल दास जी महाराज,रेवासाधाम के श्रीराघवाचार्य,ब्रह्मपीठाधीष्वर श्रीरामरतन जी,कनक बिहारी मंदिर के श्री सियाराम दास जी महाराज,ढेहर के बालाजी के हरिशकर दास वेदांती,सरस निकुंज के श्री अलबेली माधुरी शरण जी,श्री काले हनुमान मंदिर के महंत गोपाल दास जी महाराज,मंदिर श्री गोविन्द देव जी के महंत अंजन कुमार गोस्वामी, नया गांव कैमला के प्रमोद गिरि जी, महामंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य, सांगानेर के कमलेश जी महाराज,काले हनुमान जी के मनोहर दासजी,घाट के बालाजी के सुरेशाचार्य,

खाटूधाम के मोहनदास जी व भक्ति शिरोमणि परम श्रद्धेय आनंदी देवी सारडा के सानिध्य में निकाली जाएगी। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मुख्य अतिथि विधायक कालीचरण सराफ,अतिविशिष्ठ अतिथि रीको के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, उद्योगपति व समाजसेवी महेश अग्रवाल व समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के लि. के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल व समारोह के विशिष्ठ अतिथि उद्योगपति चन्द्र प्रकाश राणा एमएस बांधनीवाले,गोयल प्रोटीन लि.के डायेक्टर पंकज गोयल,उद्योग प्रकोष्ठ भाजपा राजस्थान के प्रदेश संयोजक रघुनाथ नरेड़ी,सीए हिमांश गोयल,प्रमुख समाजसेवी संजय पतंगवाले, प्रमुख व्यवसायी मोहन अग्रवाल मुकेश टेंट व प्रमुख समाजसेवी नरेश अग्रवाल जयपुर आईस फैक्ट्री मुख्य रथ की आरती व पूजा अर्चना कर रवाना करेंगे। महोत्सव के मुख्य समन्वयक अशोक गर्ग व शोभायात्रा के संयोजक रमेश चन्द डेरेवाला ने बताया कि बैंडबाज व भव्य लवाजमें के साथ निकलने वाली इस शोभायात्रा में मुख्य झांकी महाराजा अग्रसेन की रहेगी। इसके बाद श्याम बाबा का दरबार,राणी सती की झांकी,बजरंगबली की झांकी,दुर्गा माता,भगवान विष्णु-लक्ष्मी की सहित अन्य झांकियां शोभयात्रा की शोभायात्रा बढ़ाएगी। उन्होंने बताया कि मार्ग में बजरंग व्यायाम शाला के अखाड़ेबाज करतब करते हुए चलेंगे।इस दौरान संत-महंत बग्गियों में चलेंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न मंदिरों के संत-महंत व्यापारी गण, सामाजिक व राजनैतिक संगठनो के प्रतिनिधि आरती उतार स्वागत करेंगे।इस दौरान जगह-जगह आतिशबाजी की जाएगी। इस दौरान समाजबंधु एक ही वेषभूषा में चलेंगें। इस दौरान मार्ग में सरकार के मंत्री महेष जोशी व प्रताप सिह खाचरियावास, सांसद व विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की उम्मीदवार दिया कुमारी, देवस्थान विभाग की मंत्री शकुंतला रावत सहित अन्य लोग आरती उतारकर शोभायात्रा का स्वागत करेंगे। प्रभारी उपाध्यक्ष मुकंल गोयल, समन्वयक एडवोकेट पीयूष गोयल और संयोजक शंकर लाल सूतपुणीवाले ने बताया कि महोत्सव के तहत 17 अक्टूबर को 7 बजे खेलकूद प्रतियोगिता व श्री अग्रसेन मेडिकल कैम्प का आयोजन होगा। इस मौके पर दौड़,क्रिकेट प्रतियोगिता,तीन टांग दौड,जलेबी दौड सहित कई प्रतियोगिताएं होगी।मुख्य अतिथि समाजसेवी गोकुल दास अग्रवाल मैमिया व समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेषनल के लिमिटेड के प्रबंध निदेषक दीपक अग्रवाल होंगे।इसीदिन सुबह 9 बजे अग्रवाल छात्रावास प्रांगण में जीवन ज्योति हॉस्पीटल के सहयोग से अग्रसेन मेडिकल कैम्प लगाया जाएगा। संयोजक प्रहलाद स्वरूप व समन्वयक दिनेश गर्ग ने बताया कि इस मौके पर विभिन्न जांचे की जाएगी। महोत्सव के तहत 19 अक्टूबर को अग्रवाल महिला सम्मेलन व समापन 21 अक्टूबर को शाम 5.15 बजे अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में होगा।

भगवती हस्तिनाद प्रबोधिनीं इश्वरी सर्वभूतानां गजलक्ष्मि के रूप में आ रहि हैं : विनोद शास्त्री

मानसरोवर

इस बार नवरात्रि रविवार से प्रारंभ है तो भगवती हस्तिनाद प्रबोधिनीं इश्वरी सर्वभूतानां गजलक्ष्मि के रूप में आ रहि हैं.. जो पृथ्वी को धन धान्य से परिपूर्ण कर देंगी.. व वर्षा भी अच्छी होगी क्युकी देवराज इंद्र तो इन्हीं विष्णु पत्नी के अनन्य भक्त हैं.. शशिसूर्ये गजारूढ़ा शनिभौमे तुरंगमे। गुरौ शुक्रे ढोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता। यदि आश्विन नवरात्र का आरम्भ रविवार या सोमवार से होता है तो देवी हाथी पर सवार होकर आती हैं। शनि या मंगलवार को होता है तो देवी घोड़े पर आसीन हो आती हैं। यदि शुक्र या गुरुवार को होता है तो देवी पालकी में सवार होकर आती हैं और यदि बुधवार को हुआ तो देवी नौका में सवार होकर आती हैं। गजे च जलदा देवी क्षत्र भंग स्तुरंगमे। नौकायां सर्वसिद्धिस्या ढोलायां मरणंध्रुवम।। गज पर होकर आती हैं तो पृथ्वी धन धान्य से परिपूर्ण हो जाती है, बारिश अच्छी होती है। अश्व पर सवार होकर आती हैं तो किसी क्षेत्र आक्रमण आदि होता है। नौका से आती हैं तो प्रसन्नता लाती हैं और पालकी में आती हैं तो महामारी की सम्भावना रहती है।

वेद ज्ञान

अहंकार सबसे बड़ी अज्ञानता

अहंकार मनुष्य की सबसे बड़ी मूर्खता और अज्ञानता है। अहंकार ईश्वर के राज्य में रहने की सबसे बड़ी अयोग्यता है। अहंकार मनुष्य की सबसे बड़ी मूर्खता और अज्ञानता है। परमात्मा से दूर होना ही अहंकार का वरण करना है। जो परमात्मा के निकट है, उसे सारी सृष्टि में उसके सर्वव्यापक रूप के दर्शन होते हैं। परमात्मा के निकट जाकर ही जाना जाता है कि वही संसार का वास्तविक स्वामी है। सारे ब्रह्मांड में उसी की सत्ता स्थापित है। उसके आदेश और इच्छा से ही संसार में सब कुछ घटित हो रहा है। संसार का कोई भी जीव, निर्जीव उसकी सत्ता और अधीनता से बाहर नहीं है। सुख, दुख, मान, अपमान, हर्ष और शोक सब कुछ वही दे रहा है। संसार में बहुत से लोग एक ही दिशा में प्रयासरत होते हैं, किंतु कुछ लोग सफलता पा लेते हैं और कुछ असफल हो जाते हैं। ऐसा भी होता है कि बहुत से योग्य दिखने वाले लोग वह ध्येय नहीं अर्जित कर पाते, जिसे कम योग्य दिखने वाले लोग पा लेते हैं। कुछ लोग थोड़े से परिश्रम से ही सफल हो जाते हैं और वहीं अन्य भटकते रहते हैं। अयोग्य सुख भोगते दिखते हैं और योग्य कष्टों में पड़े हुए हैं। ऐसा इसलिए लगता है कि हम वह दृष्टि नहीं धारण कर सकते जिस दृष्टि से परमात्मा देख और समझ रहा है। उसके पास मनुष्य के न जाने कितने जन्मों का लेखा-जोखा है। वह अंतर्यामी है और किसी के भी मन और मस्तिष्क को जान रहा है, जबकि हमें वही दिख रहा है जो बाहर है और जहां तक हमारी दृष्टि जा रही है। मनुष्य की सोच और दृष्टि की सीमाएं हैं। जब मनुष्य अपनी क्षुद्रता और सीमा को समझ जाता है तो परमात्मा की महानता प्रकट होने लगती है। ईश्वर ने यदि कुछ दिया है तो इसके लिए मन में आभार हो। ईश्वर से अधिक निकटता की कामना जन्म ले। अधिक गुण धारण करने की प्रेरणा बलवती हो। ऐसा तभी संभव है जब मन में विश्वास हो कि जो कुछ मिला है, वह परमात्मा की कृपा के कारण अन्यथा उस जैसे दीन व्यक्ति तो संसार में करोड़ों हैं। परमात्मा स्वयं निर्विकार, दयालु और कृपालु है। ऐसे ही गुण उसे प्रिय हैं। परमात्मा इतना दयावान है कि मनुष्य के जन्मों, जन्मों के पापों को एक पल में क्षमा कर उबार लेता है। परमात्मा के राज्य में रहना सीखना ही वास्तविक धर्म है।

संपादकीय

रेल यात्रा आज भी नहीं बन पाई दावों जैसी

अभी ओड़ीशा के बालासोर में हुए रेल हादसे को लोग भुला भी न पाए थे कि दिल्ली से कामाख्या जा रही नार्थ-ईस्ट एक्सप्रेस बिहार के बक्सर में पटरी से उतर गई। इसमें चार लोगों के मारे जाने और अनेक के घायल होने की पुष्टि हुई है। स्वाभाविक ही इस घटना को लेकर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल उठने शुरू हो गए हैं। गाड़ी की इक्कीस बोगियां पटरी से उतर गईं। प्राथमिक जांच में हादसे की वजह पटरी में खराबी बताई जा रही है। गनीमत है कि इसमें बालासोर जैसा बड़ा हादसा नहीं हुआ, जिसमें दो गाड़ियां परस्पर टकरा गई थीं। मगर इससे रेलवे को अपने बचाव का आधार नहीं मिल जाता। हालांकि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और असल वजह उसके बाद ही पता चल सकेगी। मगर हर रेल हादसे के बाद यह एक परिपाटी-सी बन गई है कि मृतकों के परिजनों और घायलों को मुआवजे की घोषणा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देकर मामले को रफादफा

करने की कोशिश की जाती है। हर बार रेल सुरक्षा के संकल्प दोहराए जाते हैं और फिर जल्दी ही हाशिए पर धकेल दिए जाते हैं। अक्सर तर्क दिया जाता है कि रेल लाइनों पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ता गया है। बहुत सारी रेल लाइनें पुरानी होने की वजह से वे दबाव नहीं झेल पातीं और उनमें खराबी आ जाती है। मगर यह तर्क गले नहीं उतरने वाला। पिछले कुछ वर्षों से रेलगाड़ियों को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के दावे खूब किए जाते हैं। अनेक तेज रफ्तार गाड़ियां भी चलाई गई हैं। इस तरह रेल किराए में पिछले कुछ वर्षों में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। कहा जाता है कि रेलों को हवाई सुविधाओं की तरह बनाया जाएगा। मगर जब तक रेल का सफर सुरक्षित नहीं होगा, उसमें चलने वालों में यह भरोसा पैदा नहीं होगा कि वे अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंच जाएंगे, तब तक इन दावों का कोई महत्त्व नहीं रह जाता। रेल हमारे देश की सबसे बड़ी परिवहन व्यवस्था है। आज भी सामान्य आयवर्ग के लिए यह सबसे सुविधाजनक साधन है। मगर रेल हादसों, उनमें चोरी, डकैती, महिलाओं के साथ बदसलूकी जैसी घटनाओं पर अंकुश न लग पाने के कारण बहुत सारे लोग इसमें सफर करने से हिचकते देखे जाते हैं। हर बजट में रेल को सुरक्षित बनाने का वादा किया जाता है, मगर नतीजा फिर वही ढाक के तीन पात निकलता है। आज जब हर क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, रेलों को भी सुरक्षित बनाने के मकसद से टक्कररोधी उपकरण लगाने, पटरियों की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक कंप्यूटरीकृत व्यवस्था विकसित करने की परियोजना शुरू की गई थी। रेलों में आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाने और हर बोगी को अत्याधुनिक संचार प्रणाली से जोड़ने की योजना चलाई गई। मगर अब भी अगर हर कुछ समय पर रेलें पटरी से उतर जा रही हैं, परस्पर टकरा जाती हैं, तो जाहिर है, सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं का गंभीरता से मूल्यांकन करने की जरूरत है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

ये बेहद खतरनाक!

लड़कियों के साथ छेड़खानी की घटनाएं अब जैसे सामान्य बात हो चली है। आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, मगर मनचलों और आपराधिक वृत्ति के लोगों पर ठीक से नकेल न कसी जाने की वजह से इन घटनाओं पर रोक लगाना भी कठिन बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के बरेली में हुई घटना ऐसे ही बेलगाम बदमाशों के आतंक का उदाहरण है। एक नाबालिग लड़की ट्यूशन से घर लौट रही थी। रास्ते में एक मनचले ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। लड़की ने विरोध किया तो लड़के ने उसे ट्रेन के आगे धक्का दे दिया। ट्रेन की चपेट में आने से बच्ची का एक हाथ और दोनों पैर कट गए। यह घटना उस उत्तर प्रदेश की है, जहां की पुलिस दम भरते नहीं थकती कि उसने अपराधियों का मनोबल तोड़ दिया है। शोहदे घरों में दुबक गए हैं और महिलाएं आधी रात को भी सुरक्षित सड़कों पर घूमने लगी हैं। यह घटना पुलिस की कार्यप्रणाली और अपराधियों पर अंकुश लगाने के राज्य सरकार के दावे की पोल खोलती है। आखिर कोई कैसे इतनी हिम्मत कर पाता है कि दिनदहाड़े राह चलती महिला उसकी बात नहीं मानेगी, तो वह उसकी जान लेने पर उतारू हो जाएगा। हालांकि मुख्यमंत्री ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए अपराधी के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करने का आदेश दिया है। उस इलाके में पुलिस को चौकस कर दिया गया है। कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों पर नकेल कसने के प्रयासों में तेजी आई है और महिलाओं तथा बच्चियों के खिलाफ अपराध के मामले सुलझाने, उनकी प्राथमिकी दर्ज करने का स्तर सुधरा है, मगर यह भी सच है कि महिलाओं के साथ आए दिन ऐसे अपराध हो रहे हैं, जो उन्हें घरों से बाहर निकलने से पहले सोचने पर मजबूर कर देते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पुलिस सरकारी दिशा-निर्देशों का उचित तरीके से पालन नहीं करती। ऐसा बरेली की इस घटना में भी दिखा। पीड़ित किशोरी के पिता स्थानीय थाने में पहले शिकायत कर चुके थे कि कुछ युवक उनकी बेटी को ट्यूशन के रास्ते में परेशान करते हैं। मगर कार्रवाई तो छोड़िए, पुलिस ने उस शिकायत पर ध्यान भी नहीं दिया। अगर समय रहते पुलिस सक्रिय हो जाती, तो पीड़ित बच्ची की जान खतरे में न पड़ती। पुलिस का यह हाल तब है जब मुख्यमंत्री स्वयं महिला अपराधों को लेकर लगातार निगरानी करते हैं। मुख्य सचिव स्तर पर हर माह समीक्षा बैठकें होती हैं और डीजीपी अपने मातहतों को समय-समय पर ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने की हिदायत जारी करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के आंकड़े बताते हैं कि उसके 'एंटी रोमियो' दल ने बीते एक साल में साढ़े छह हजार ऐसे लड़कों के खिलाफ कार्रवाई की है, जो राह चलती महिलाओं को छेड़ते, उन पर फब्तियां कसते हैं। महिला पुलिस चौकियां स्थापित की गई हैं, पुलिसबल में महिला कर्मियों की संख्या पहले के मुकाबले बढ़ी है, मगर स्थानीय स्तर पर पुलिस की संवेदनहीनता का क्या किया जाए। सच है कि पुलिस हर जगह मौजूद नहीं रह सकती, लेकिन अपराधी के मन में कानून का खौफ तो होना ही चाहिए। महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध की हर घटना के बाद सरकारें तमाम एहतियाती कदम उठाने का दम भरती हैं, लेकिन कुछ समय बाद एक और ऐसी जघन्य वारदात होती है कि रूह कांप जाए।

जिनवाणी को हृदय में अंगीकार किए बिना नहीं हो सकता कल्याण: इन्दुप्रभाजी म.सा.

दूसरों के दोष नहीं गुण देखना सीख जाए तो बदल जाए जिंदगानी- दर्शनप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जिनवाणी को हृदय में अंगीकार किए बिना जीवन का कल्याण नहीं हो सकता। सच्ची भक्ति भावना से जिनवाणी श्रवण करने पर संसार सागर से पार हो सकते है। जिनवाणी श्रवण किए बिना कोई आत्मकल्याण नहीं कर सकता। इसलिए प्रतिदिन जितना संभव हो सके जिनवाणी श्रवण करने की भावना अवश्य रखनी चाहिए। भगवान की भक्ति का श्रेष्ठ माध्यम है जिनवाणी सुनना। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भगवान राम के वनवास जाने की तैयारी से जुड़े विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए कहा कि त्याग कैसे होता इसकी सीख इन प्रसंगों से ली जा सकती है। राम कह रहे आप भरत को राज्य दे दीजिए मुझे नहीं चाहिए वहीं भरत कह रहे राज्य तो भैया राम को ही मिलना चाहिए मैं तो पिता के साथ दीक्षा लेना चाहता हूं। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हमारी दृष्टि दूसरों के दोषों पर नहीं जाकर गुण ग्रहण करने पर होनी चाहिए। दूसरों के दोष देखना मानव की कमजोरी है। व्यक्ति जितना समय दूसरों के दोष देखने ओर निंदा करने में लगाता है यदि उतना समय स्वयं को देखने ओर स्वनिंदा में लगा ले तो उसके जीवन का कल्याण हो जाए। उन्होंने कहा कि जिसे हम चाहते है उसमें दुर्गुण होने पर भी हम नजर अंदाज कर देते है। इसके विपरीत जिसके प्रति मन में दुर्भावना होती है उसमें गुण होने पर भी हम दिखते नहीं है। ये स्थितियां हमारे अंदर राग-द्वेष भरा होने से बनती है। प्रमाद से बचने की प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रमाद ही व्यक्ति के पतन का कारण होता है। आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने भजन ''गुरू का प्यार न रूठे, गुरू दरबार न छूटे'' की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में . अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।

पीह श्रीसंघ ने की वर्ष 2024 के चातुर्मास की विनती

धर्मसभा में पीह के श्रीसंघ ने पूज्य महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा से वर्ष 2024 का चातुर्मास करने की भावपूर्ण विनती की। संघ के अध्यक्ष महावीरचंद कोठारी ने विनती प्रस्तुत करते हुए कहा कि इन्दुप्रभाजी म.सा. के पिछले चातुर्मास को 23 वर्ष पूर्ण हो रहे ऐसे में एक बार फिर सभी पीहवासी उनके चातुर्मास के अभिलाषी है। साध्वी इन्दुप्रभाजी ने पीह के श्रावक-श्राविकाओं की भक्ति भावना की सराहना की। श्री अरिहन्त विकास समिति की ओर से पीह श्रीसंघ के अध्यक्ष महावीरचंद कोठारी, ज्ञानचंद कोठारी, महिला मण्डल अध्यक्ष इंदिरा कोठारी आदि का स्वागत सम्मान किया गया।

महासाध्वी जैनमतिजी म.सा. की जयंति पर तीन दिवसीय आयोजन 17 से

मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की 106वीं जयंति 19 अक्टूबर तक मनाई जाएगी। इसके उपलक्ष्य में 17 से 19 अक्टूबर तक एकासन एवं आयम्बिल का संयुक्त तेला तप होगा। पूज्य महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में जयंति के तीन दिवसीय आयोजन के तहत 17 अक्टूबर को घंटाकर्ण महावीर स्त्रोत का जाप, दो-दो सामायिक एवं एकासन दिवस मनाया जाएगा। इसी तरह 18 अक्टूबर को णमोत्थानं का जाप, दो-दो सामायिक एवं आयम्बिल दिवस मनाया जाएगा। इसी तरह 19 अक्टूबर को गुणानुवाद के साथ तीन-तीन सामायिक एवं एकासन दिवस मनाया जाएगा। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना 24 अक्टूबर से शुरू होंगी।

वर्णी जी की 150 वीं जन्म जयंती पर द्रोणगिरि में रविवार को होंगे विविध कार्यक्रम

रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

द्रोणगिरि (छतरपुर)। द्रोण प्रांतीय नवयुवक सेवा संघ १द्रोणगिरि के तत्वाधान में पूज्य क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद वर्णी जी की 150वीं जन्म जयंती समारोह के अवसर पर जैन तीर्थ द्रोणगिरि (लघु सम्मेद शिखर) में 15 अक्टूबर 2023 रविवार को वर्णी महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान व विद्वत संगोष्ठी का आयोजन विविध कार्यक्रम के साथ श्रमणी आर्यिका श्री विशाखाश्री माताजी के मंगल सानिध्य में किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रात 6:00 बजे नित्य पूजन, अभिषेक, विधान, ध्वजारोहण, सामूहिक तीर्थ वंदना एवं विद्वत संगोष्ठी व 11.00 बजे से सामूहिक प्रीतिभोज तथा दोपहर 12:00 बजे से प्रतिभा सम्मान समारोह किया जाएगा । 3:30 बजे से श्रमणी आर्यिका श्री विशाखाश्री माताजी के मंगल प्रवचन होंगे। इस समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध युवा उद्योगपति व समाजसेवी कपिल मलैया सागर तथा मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति व वरिष्ठ समाजसेवी संतोष जैन घड़ी सागर रहेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में महेश मलैया, श्रेणिक मलैया सागर, सिद्धार्थ मलैया दमोह, भागचंद पीली दुकान, शील डेवडिया बड़ामलहरा, राजेश रागी (वरिष्ठ पत्रकार) बकस्वाहा, डॉ. सुंदरलाल ककरवाहा, बाबूलाल मेनवार, सुनील घुवारा, पवन घुवारा टीकमगढ़,देवेंद्र चौधरी घुवारा, प्रो. सुमति प्रकाश, वरिष्ठ पत्रकार सनत जैन छतरपुर तथा अनेक महानुभावों को अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया है । इस कार्यक्रम का संचालन मोटिवेशनल स्पीकर राहुल जैन द्वारा किया जायेगा । द्रोण प्रांतीय नवयुवक सेवा संघ द्रोणगिरि के अध्यक्ष सिं. पंकज जैन व मंत्री भागचंद जैन सतपारा तथा संघ के पदाधिकारी व सदस्यों ने सभी सधर्मी बंधुओं से पधारकर लाभ लेने की अपील की हैं।

विज्ञातीर्थ गुन्सी में होगा नवरात्रि का भव्य आयोजन दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी में शनि अमावस्या के शुभ अवसर पर मुनिसुव्रतनाथ भगवान की शान्तिधारा करने हेतु भक्तों का मेला लगा था। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के मुखारविंद से शान्तिधारा का उच्चारण किया गया। सर्वप्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य राजेश जी जयपुर एवं विमल जी पहाड़ी वाले निवाई वालों को प्राप्त हुआ । श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की शान्तिधारा करने का सौभाग्य नरेन्द्र कीर्ति नगर जयपुर, सुरेन्द्र दुगार्पुरा जयपुर , मूलचंद सुशील विनोद उगरियावास जैन समाज ने वेदी शिलान्यास हेतु गुरु माँ के चरणों में श्रीफल समर्पित किया एवं कार्यक्रम पत्रिका का उद्घाटन किया। सभी भक्तों को मंगल आशीष देते हुए माताजी ने कहा कि - जिसने सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, क्षमा आदि का पालन किया है वही सच्चे धर्मात्मा है। बहुत से लोग कहते हैं कि धर्म के नियमों का पालन करना ही धर्म को धारण करना है जैसे ईश्वर प्राणिधान, संध्या वंदन, श्रावण माह व्रत, तीर्थ चार धाम, दान, मकर संक्रांति-कुंभ पर्व, पंच यज्ञ, सेवा कार्य, पूजा पाठ, 16 संस्कार और धर्म प्रचार आदि। लेकिन उक्त सभी कार्य व्यर्थ है जबकि आप सत्य के मार्ग पर नहीं हो। सत्य को जानने से अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य,

अपरिग्रह, शौचादि सभी स्वतः ही जाने जा सकते हैं। अतः सत्य ही धर्म है और धर्म ही सत्य है जो संप्रदाय, मजहब, रिलिजन विश्वास और सत्य को छोड़कर किसी अन्य रास्ते पर चल रहे हैं वह सभी अधर्म के ही मार्ग हैं। जब तक हमारे मन में जीवों के प्रति करूणा , दया का भाव नहीं है तब तक हम सच्चे धर्मात्मा नहीं है। इसलिए बाहर के दिखावे का नाम धर्म नहीं। आप भले ही थोड़ा सा धर्म करें पर सच्चे मन से करें उसी में सार है बाकी सब दिखावा है।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, विवेक विहार में निशुल्क चिकित्सा परामर्श केंद्र का शुभारंभ 15 अक्टूबर से

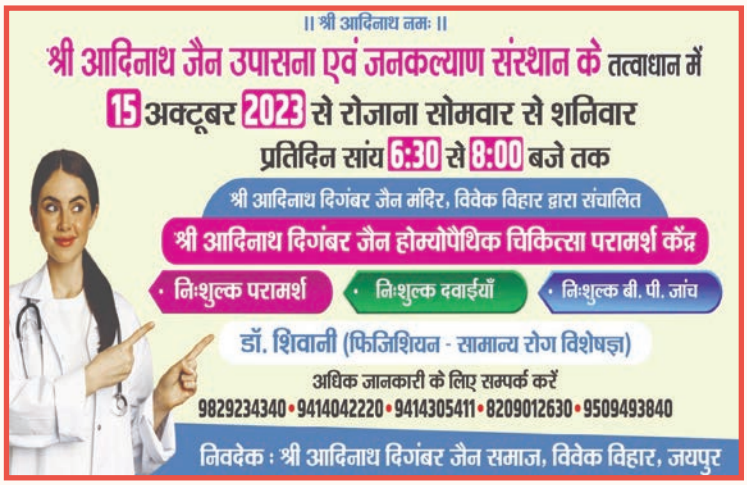

जयपुर। जैन समाज और उसके मंदिरों को सामाजिक सेवा के आयाम से जोड़ने के प्रयासो को आगे बढ़ाने की दिशा में पहल करते हुए श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श केंद्र दिनांक 15 अक्टूबर 2023 से विधिवत प्रारंभ किया जा रहा है जिसमें न केवल सभी जैन बंधु बल्कि सभी आसपास की कॉलोनी के सभी धर्म और जाति के बंधुओ को निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का लाभ प्राप्त हो सकेगा 1 आदिनाथ दिगंबर जैन चिकित्सा परामर्श केंद्र के चिकित्सालय में साल भर लगने वाली दवाईंया समाज के श्रीमती त्रिलोक मती, अध्यक्ष अनिल जैन (आई.आर.एस.), अरविंद जैन SE, PWD और श्रीमती स्वाति जैन एवं उनके संपूर्ण परिवार की ओर से प्रदान की जाएगी। चिकित्सालय में लगने वाले मेडिकल इक्विपमेंट (यंत्र) अध्यक्ष अनिल जैन की प्रेरणा से मेसर्स टाइम सर्जिकल ने निशुल्क उपलब्ध कराए हैं। विवेक विहार आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समाज के मंत्री सुरेंद्र पाटनी, कोषाध्यक्ष पारस छाबड़ा, सह मंत्री दीपक सेठी और नरेश जैन मेड़ता तथा कार्यकारणी के सभी सदस्यों और महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सरला बगड़ा तथा मंत्री श्रीमती अलका पांड्या के प्रयासों और सहयोग से इस प्रकार के अन्य सामाजिक कार्यों को भी व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने का निश्चय किया गया है ।

शनि अमावस्या पर हुए 108 स्वर्ण कलशों से महामस्तकाभिषेक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन नया मन्दिर फागी में शनि अमावस्या पर अनेक धार्मिक आयोजन आयोजित किए गए । जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में 13 अक्टूबर को शनि अमावस की पूर्व संध्या पर मुनिसुव्रतनाथ युवा मण्डल के प्रयासों से साक्षी जैन एण्ड पार्टी के द्वारा भक्ति संध्या का शानदार आयोजन किया गया, जिसका अर्द्धरात्रि तक भक्तों ने धर्म लाभ लिया। इसी अवसर पर 14 अक्टूबर 2023 शनि अमावस के दिन श्रावक श्रेष्ठी प्रसिद्ध समाजसेवी नारायण लाल, कमला देवी, महावीर प्रसाद सौभागमल, मोहनलाल सोहनलाल प्रकाशचन्द, अभिषेक, अर्चित, अमित, सुमन जैन, अपूर्वा सिंघल जैन परिवार द्वारा स्वर्ण कलशों से 108 बार अभिषेक करने का सोभाग्य प्राप्त किया इसी कड़ी में समाज सेवी अशोक कुमार कासलीवाल- कान्तादेवी, सन्तोष- मंजू, राहुल-नीलू रुशिल, निशिल कासलीवाल (वकील) जैन परिवार फागी निवासी द्वारा बोली के माध्यम से शान्तिधारा की बोली लेकर सौभाग्य प्राप्त किया गया। सभी कार्यक्रमों में सकल दिगम्बर जैन समाज ने हर्षोउल्लास के साथ सहभागिता निभाई। इस अवसर पर मुख्यतः मन्दिर समिति के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल के साथ सन्तोष कुमार,राहुल कुमार वकील परिवार, भागचन्द, महावीर बजाज,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, कैलाश कासलीवाल, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झण्डा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, मोहन लाल झँडा, रामस्वरूप मोदी,राजेन्द्र मोदी, भागचन्द कासलीवाल, महावीर मोदी, महेन्द्र कासलीवाल, सुरेश मांदी वाले, सुभाष, प्रकाश, सिंघल, संतोष बजाज, रमेश बजाज तथा सुशील कुमार, जीतू, कासलीवाल, नीरज, आशु, झंड़ा, सिद्ध कुमार, जीतू मोदी, सुविधी कड़ीला,अंशु, बबलू चौधरी,जम्बू, राजेश अशोक बजाज, मनोज पंसारी राकेश मांदी वाले, विनोद कमल झंड़ा व इनके सभी परिवार जन उपस्थित रहे। भक्ति संध्या के दौरान फागी से पदमपुरा गयी पदयात्रा के संचालन में युवाओं के द्वारा किये गये सहयोग के लिये स्वागत सत्कार भी किया गया।

क्या नारियों (स्त्री) में होने वाली बीमारी ल्यूकेरिया (श्वेत प्रदर) का आयुर्वेदिक देशी इलाज है?

सबसे पहले हमें यह पता होना चाहिए कि लिकोरिया कोई बीमारी नहीं है। लिकोरिया सामान्य तौर पर हर महिलाओं को होता है। इसलिए परेशान नहीं होना और इसका इलाज कोई दवा नहीं है इसका इलाज सिर्फ प्राकृतिक इलाज है। आप अपने खान-पान पर ध्यान रखिए। अगर किसी महिलाओं में ज्यादा होता है तो इसका इलाज है। कोमल ताजा शीशम का 10-12 पत्ता पीसकर इसमें मिश्री मिलाकर चार-पांच दिन तीन टाइम या दो टाइम लीजिए। गेंदे का फूल सुखा ले और एक चम्मच फूल ले लो और पानी में उबाल कर नीचे उतार दे और उसमे में एक चम्मच गेंदे का फूल डाल कर छोड़ दे जब हल्का गुनगुना हो तो एक चम्मच शहद मिला ले और दिन में दो या तीन बार ले कम से कम पांच दिन लेना है फिर आप मेथी दाने शाम को आधी चम्मच भीगा दे और सुबह दोपहर शाम तीन टाइम चार-पांच दिन लेना है। हर महीना सिर्फ चार पांच दिन शीशम के पत्ते, मेथी का पानी और गेंदों के फूल का काढा आपको लेना है। जब तक आप पूरी तरह स्वस्थ ना हो जाए तब तक लेते रहे। यह इतना बढ़िया है कि आपके पूरे शरीर को ठीक कर देगा। कोई साइड इफेक्ट नहीं है। फायदा ही फायदा है। महिलाओं के संपूर्ण विकास के लिए यह सबसे उत्तम प्राकृतिक इलाज है। बाहरी खाना बिल्कुल बंद कर दीजिए, सफेद दूध,सफेद चीनी, सफेद नमक, दूध से बनी हुई हर चीज बंद कर दीजिए, फैक्ट्री का कंपनियों का बंद फूड बिल्कुल पूरी तरह से बंद कर दीजिए। घर का खाना खाईए, ज्यादातर फल सब्जियां अपने डाइट में शामिल कीजिए, बहुत बढ़िया इलाज है। किसी भी दवा से लिकोरिया ठीक करने के लिए अगर आप इलाज करते हैं तो लिकोरिया तो ठीक हो जाएगी लेकिन प्रॉब्लम और बढ़ जाएगी। हमारी बॉडी प्राकृतिक चीजों से बनी हुई है जिसमें जल धरती अग्नि वायु आकाश से का समावेश है,यह बीमारी प्राकृतिक चीजों से ही ठीक होती है और जब प्राकृतिक चीजों से ठीक होती है तो बढ़िया से ठीक होती है। पूरे शरीर का एक-एक अंग ठीक होता है। लिकोरिया पेट खराबी से भी होता है, पेट खराब रहता है उल्टा सीधा आहार डालते हैं तो उससे ही प्रॉब्लम होता है। कहते हैं सारी बीमारियां पेट से होती है। बीमारियां कुछ भी नहीं है गलत आहार के कारण होता है। कहते हैं सही ईंधन डालोगे तो सही इंजन चलेगा। गलत ईंधन मतलब इंजन बेकार। कहते हैं खाना अगर सही है तो किसी दवा की जरूरत नहीं है और खाना अगर खराब है तो कोई दवा काम करने वाला नहीं है। खाना ही दवा है खाना ही इलाज है। कहते हैं कि अगर कितनी ही बढ़िया गाड़ी हो और उसके इंजन का डिजाइन पेट्रोल से चलने के लिए बनाया गया है और आप उसमें अगर डीजल डालेंगे मिट्टी का तेल डालेंगे, तो काफी दिनों तक चलने वाला नहीं है। हमारा जो शरीर है ईश्वर ने प्राकृतिक तौर से बनाया है यह प्राकृतिक आहार से ही चलता है। उल्टा सीधा खाना डालने से यह खराब हो जाता है। आप जीव जंतु पशु पक्षियों को देखिए उनके लिए क्या कोई हॉस्पिटल है कोई बीमारी है, कोई दवा है। इनको कभी लिकोरिया होता है क्या। कोई पेट दर्द, सर दर्द, बुखार इनको क्या कुछ होता है। नहीं होता है क्योंकि प्राकृतिक आहार खाते हैं। हम तो परमात्मा के सिद्धांतों को नियमों को तोड़ डालते हैं। जो भी जैसा खाना आए खा लेते हैं। कभी हमने देखा नहीं की क्या हमारे बॉडी के लिए सही है कि नहीं है। हम तो अपने शरीर को कूड़ेदान समझते हैं और डालते रहते हैं डालते रहते हैं। बॉडी भी कहती है डाल ले बेटा, भुगतेगा तू ही। हम जिसके साथ जैसा व्यवहार करते हैं वह हमारे साथ वैसा ही व्यवहार करता है। हम शरीर के साथ जैसा व्यवहार करेंगे शरीर भी हमारे साथ वैसा ही व्यवहार करेगा। इसलिए आप शरीर से प्रेम कीजिए शरीर को अच्छा आहार दीजिए शुद्ध चीज दीजिए। शरीर को कूड़ेदान मत समझिए, कि जो भी आया डाल लो, उल्टा सीधा बाहरी खाना फैक्ट्रीयो का खाना सबसे बड़ा घातक है। हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा रहा हैं। स्वास्थ्य से बढ़कर दुनिया में कोई धन दौलत नहीं है। स्वास्थ्य ही सब कुछ है। स्वास्थ्य का मोल दुनिया भी मिलकर नहीं कर सकती। एक तराजू के पलड़े में अगर स्वस्थ्य रख दिया जाए और एक में सारी दुनिया की दौलत रख दी जाए यह भी बराबर नहीं है। स्वास्थ्य ही आपका पूर्ण जीवन है। इसलिए इसका ध्यान रखिए खान-पान से ही सब कुछ ठीक हो जाता है। धैर्य रखिए जल्दबाजी मत करिए क्योंकि हीरा को हीरा बनने में एक करोड़ बरस लगता है। आपके धैर्य रखने से आपकी बॉडी सब कुछ कर सकती है। आपकी बॉडी में ऐसे ऐसे सेल्स है जो दुनिया में करोड़ों वैज्ञानिक नहीं कर सकते, वे सेल्स कर देते है। आपकी बॉडी ही आपका डॉक्टर है। प्राकृतिक नियमों पर चलेंगे तो अवश्य ही स्वस्थ रहेंगे। (डॉ पीयूष त्रिवेदी) आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा जयपुर। 9828011871

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

शनि अमावस्या पर जैन संतो की पूजन के साथ हुआ निअन्तर्राय आहार चर्या

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। शनि अमावस्या के अवसर पर निवाई में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज एवं क्षुल्लक अकम्प सागर महाराज का निअन्तर्राय आहार चर्या कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। इस दौरान समाजसेवी सूरजमल जैन नवरत्न टोंग्या पुनित संधी विनोद जैन विजय टोंग्या अर्चना जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं को मुनि श्री की पूजा अर्चना, पड़गाहन, एवं निअन्तर्राय आहार चर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि शनिवार को मुनि शुद्ध सागर महाराज एवं क्षुल्लक अकम्प सागर महाराज ने बिचला जैन मंदिर में भगवान शांतिनाथ जी एवं सुपार्श्वनाथ जी के दर्शन करके श्रद्धालुओं को संबोधित किया उन्होंने कहा कि साधुओं की वैयावृति करने से अक्षय पुण्य का बंध होता है।

गो सेवा कर मनाया जन्म दिन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सबको प्यार सबकी सेवा जीवों और जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल संस्था के वीरा सदस्या रेखा जैन ने अपनी पोती सुपुत्री पीयुष गुजन पहाड़ियां का पाश्चात्य संस्कृति को नकारते हुए जन्मदिन समाजिक सरोकार के तहत अपना जन्मदिन पर समरीया सागर गोशाला सीकर बाईपास पर संस्था सदस्यों को साथ गोमाता चारा गुड खिलाकर मनाते वीरा अनिता वीरा नीलम काला वीरा मनीषा वीरा वीरा कल्पना पहाड़ियां वीरा मंजु वीरा राखी बड़जात्या वीर तेजकुमार बड़जात्या रेखा नीरज कुमार पहाड़ियां ने उपस्थित रहे। महावीर इंटरनेशनल वीरा सदस्यों द्वारा हर अमावस्या को गोशाला में गौसेवा की जाती है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन

हमसे बहुत बड़ी भूल हो रही है...

शाबाश इंडिया

शायद यही भूल तुम्हें भटका रही है। अभी तक हमने वेद, पुराण, उपनिषद और अनेक ग्रन्थों को पढ़ा। तब भी जीवन में परिवर्तन नही आया। एक बार स्वयं को पढ़ने की जरूरत है। सिर्फ एक बार, स्वयं की आत्मकथा पढ़ो। अभी तुमने गांधी जी, विवेकानंद जी, नेहरू जी, टालस्टॉय और वर्णी जी की आत्मकथा पढ़ी होगी। लेकिन मैं कहता हूँ अब एकान्त में बैठकर, अपनी आत्मकथा को पढ़ डालो। फिर देखो जीवन कैसे महकता है। आत्मकथा पढ़ने से मेरा तात्पर्य अपने मन को पढ़ने से है। मन में उठने बाले विचारों को पढ़ने से है। मन के सागर में आने वाली लहरों को देखने से है। अपने मन पर निगरानी रखिये कि कहीं वह प्रभु-पथ से भटक ना जाये। कहीं वह क्षुद्र स्वार्थों की खातिर धर्म, न्याय और नीति को छोड ना बैठे। क्योंकि यह मन बहुत बेईमान है। पद, पैसा और प्रतिष्ठा के लिए', कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। कहीं ये मन, पाप और अधर्म के तत्पर ना हो जाये। अपने मन को पढ़ते रहना ही आत्म कथा पढ़ना है। ध्यान रखना। कपडा बिगड़े - चिन्ता नहीं करना। भोजन का स्वाद बिगड़े - चिन्ता नहीं करना। व्यापार बिगड़ जाये - चिन्ता नहीं करना। बेटा बिगड़ जाये तब भी चिन्ता नहीं करना। सिर्फ चिन्ता इतनी सी करना। कहीं मन और दिल ना बिगड़ जाये क्योंकि इस दिल में ही तुम्हारा दिलबर रहता है। अपना प्यारा सा मन और खुबसूरत दिल, सिर्फ सन्त और अरिहन्त को ही देना। फिर कभी दिल का दौरा भी नहीं पड़ेगा।

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में डॉ. जैन हुए सम्मानित

सनावद. शाबाश इंडिया

पूज्य मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज संघ के सानिध्य में तीर्थंकर महावीर स्वामी निर्वाण के 2550 वर्ष की उपलब्धियां एवं मूल्यांकन विषय पर अ. भा.दिगंबर जैन विद्वत परिषद द्वारा हरिपर्वत आगरा में हुई तीन दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में सनावद के डॉ नरेन्द्र कुमार जैन भारती ने भाग लेकर जैन धर्म में भारत, भारतीयता और भारतीय संविधान विषय पर विस्तृत शोधालेख का वाचन कर विद्वानों एवं उपस्थित श्रोताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संगोष्ठी के समापन पर डॉ. जैन का दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति, दि.जैन मंदिर हरिपर्वत आगरा द्वारा तिलक, मोतीमाला, शॉल ओढ़ाकर चांदी से निर्मित भगवान महावीर की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी तरह परिषद के साधारण सभा के अधिवेशन में डॉ. रमेश चंद्र जैन अभिनंदन ग्रंथ के लोकार्पण समारोह में डॉ. जैन को सम्मानित किया गया। समाजसेवी चांदमल जैन, सलित जैन, धीरेंद्र बाकलीवाल, महेंद्र पाटौदी, बसंत पंचोलिया,नरेंद्र पंचोलिया, मुकेश जैन, विशाल जैन सोनू, सत्येंद्र जैन, राजेश चौधरी, कमलेश भूच, राकेश जैन ने हर्ष व्यक्त किया।

विशेष मति माताजी के दीक्षा दिवस के आयोजनों का शनिवार को मुनिसूव्रत नाथ विधान से शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में प्रवास रत गणिनी आर्यिका श्री 105 विशुद्ध मति माताजी की युवा शिष्य बालयोगिनी आर्यिका श्री 105 विशेष मति माताजी के सोलहवें दीक्षा दिवस के कार्यक्रम शनिवार को जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर श्री 1008 मुनिसूव्रत नाथ के विधान से प्रारंभ हुए। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की प्रातः भगवान मुनिसूव्रत नाथ के जलाभिषेक के बाद विश्व शांति हेतु रिद्धि मंत्रों युक्त शान्तिधारा करने का सोभाग्य सोभाग,पदम ,अशोक, कमलेश पाटनी को मिला। इसके बाद विधान मण्डल पर विधि पूर्वक मंगल कलश की स्थापना कर शुद्धि पूर्वक साज बाज के साथ नित्य पूजन की गई तथा मण्डल पर मन्त्र के साथ श्रावकों ने ठोने में स्थापना कर प्रत्येक वलय पर भक्ति पूर्वक श्रीफल के साथ अष्ट द्रव्य लेकर चढ़ाये गए। पूजन विधान आर्यिका श्री के सानिध्य में ब्र. दीदी सविता ने संपन्न करायी तथा अंत में मुनिसूव्रत नाथ के 108 जाप रमेश साखूनिया ने कराये तथा आरती की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

शनि अमावस्या महोत्सव सानंद संपन्न

कोटा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य मुनि चिमय सागर जी महाराज (जंगल वाले बाबा) के पावन सानिध्य में निर्मित आर के पुरम स्थित श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर त्रिकाल त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में शनि अमावस्या महोत्सव विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सानंद संपन्न हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर सरवाडिया महामंत्री पवन कुमार पाटोदी कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि मूलनायक भगवान पर प्रथमाभिषेक ज्ञानचंद जी, संजय जी जैन परिवार जन एवम भागचंद जी, सौरभ जैन परिवार जन , मूलनायक भगवान पर शांतिधारा ज्ञानचंद, संजय जैन परिवारजन एवम हरकचंद जैन अनुज जैन गोधा परिवार जन। राष्ट्रीय वीडियो प्रभारी एवं मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया कि प्रातः काल प्रथमाभिषेक स्वर्ण कलशों से 108 रिद्धि मंत्रो के द्वारा किया गया ।लघु शांति धारा के बाद मूलनायक भगवान पर विश्व में शांति की भावना से शांति धारा की गई। विधि विधान की क्रियाएं पंडित अभिषेक शास्त्री द्वारा करवाई गई। सायकल भक्तामर आराधना पाठ 48 मंगल दीपकों के द्वारा किया गया उसके बाद मंगल महाआरती की गई। पाठशाला के बच्चो द्वारा जैन धर्म दर्शन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। बाद में दसलक्षण पर्व पर आयोजित प्रोग्राम के पारितोषिक भी वितरित किए गए। पारितोषिक प्रायोजक राजमल जैन पुष्पलता जैन परिवारजन रहे।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा 125 जरूरतमंद लोगों को फूड पैकेट वितरित किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

14 अक्टूबर को पितृ अमावस पर लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा शनि मंदिर व एस. एम. एस हॉस्पिटल में 125 जरूरतमंद लोगों को फूड पैकेट जिसमे पूड़ी, सब्जी, अचार,हलुआ, कंगन, नमकीन आदि थे,वितरित किये। साथ ही प्रत्येक को 10 १२ नकद राशि भी दी गयी। यह नेक कार्य क्लब सदस्य सुमित्रा गोलिया व नीता के सौजन्य से संपन्न हुआ जिसमें उक्त सदस्याओं के अलावा क्लब अध्यक्ष रानी पाटनी, कोषाध्यक्ष मंजू पूरी व विजया कोठारी भी उपस्थित रही।

मेघा इवेन्ट्स के गरबा-ए डांडिया नाईट में झूमे शहरवासी, परिवार संग आयोजन का लिया आनंद

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। शहर के रानी सती गार्डन में शनिवार को मेघा इवेन्ट्स द्वारा ''गरबा ए डांडिया नाईट'' का आयोजन किया गया। संयोजक मेघा पाटनी ने बताया कि इस बार आयोजन में बॉलीवुड अभिनेत्री पिंकी सिंह शेरावत ने शिरकत की। शेखावाटी के प्रशंसकों का आयोजन के प्रति उत्साह देख उन्होंने सभी का दिल से अभिवादन किया। उनके साथ प्ले-बेक सिंगर रिषीकेश सिखवाल ने अपने सुरों से आयोजन को चार चांद लगा दिए। आयोजन में मशहूर डांसर मुस्कान शर्मा ने अपनी प्रस्तुति से समा बांधे रखा , उनके साथ उपस्थित दर्शकों ने भी गरबा नृत्य कर आयोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन मशहूर एंकर शान ने किया । कार्यक्रम में निराश्रित बच्चों व विधवाओं के सिलाई मशीन देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के सह-संयोजक सुशील रितु शर्मा ने बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विमल कुमार जैन (रेटा वाले) थे व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संजय - सुमन संघही, कमल- पिंकी गंगवाल, विनायक स्कूल के निदेशक रमेश शास्त्री, डी.ए.वी. स्कूल के निदेशक संतोष शर्मा, डॉ. प्रदीप- डॉ. प्रीति जैन, डॉ. अजय डॉ. सरिता जैन एवं योगेश सैनी थे। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक अंलकार लाईट्स थे। सह प्रायोजक सेन्चुरी वाटर पार्क, जैन डेन्टल क्लिनिक, अरिहन्त हॉस्पिटल, दुल्हनियाँ साड्रिज, चिराग शॉरूम, विजन एज्यूकेशन, रेड सिलो, न्यू जगदम्बा साउण्ड, कीर्तिका ब्यूटीपार्लर, एल. बी. एस. स्कूल, राधा रानी, सच्चा सोना शॉप, आई.ए.एन.टी. कम्प्यूटर एज्यूकेशन, आयाम कैरियर एकेडमी, ओ.वी. इन्टरप्राईजेज, पारसनाथ इलेक्ट्रिकल्स, प्रियंका इन्टरप्राईजेज, एम.केफाईन, इण्डियन मोबाईल, एक्सपर्ट क्लीनर, पाटनी ट्रेडिंग कम्पनी, घर सजावट, समाजसेवी भंवरलाल जाँगिड़, वीरध्वनि डिजिटल, विकास कैटर्स, गोल्डन टैक्सटाईल्स, अब्लेज ब्यूटी स्टूडियो रहे। समिति के प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि गरबा प्रतियोगिता में बेस्ट डांस, बेस्ट कपल डांस, बेस्ट गरबा ड्रेस को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मशहूर कॉमेडियन विनोद शर्मा ने भी अपनी प्रस्तुति दी । कार्यक्रम में आलोक श्वेता, सूरज - एकता, आशीष - रितु, दीपक - राजश्री, सचिन-रश्मि, अमित एकता, अभय दीपाली, मनोज-एकता, आनन्द-नेहा, विनोद-प्रीति, सुनिल सुजाता, विनय-नेहा, सतीश-सुनिता, विवेक-कविता, प्रहलाद सुमन, अमित- मधु सदस्य है। डिजिटल पार्टनर व सहयोग वीरध्वनि डिजिटल द्वारा किया गया ।

विनोद पापडीवाल प्रदेश मंत्री नियुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दि जैन युवा परिषद् राजस्थान प्रदेश की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन ने जगतपुरा निवासी विनोद पापडीवाल को प्रदेश मंत्री पद पर नियुक्त कर घोषणा की युवा परिषद् हेरीटेज संभाग के अध्यक्ष रूपेन्द्र जैन ने अवगत कराया युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन के विशेष अनुशंसा पर युवा परिषद् की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया । जिसमें समाज एवं धार्मिक कार्यों मे सदैव समर्पित समाज में होने वाले बड़े कार्यक्रमों में मुख्य भुमिका में सहायक विनोद पापडीवाल को नियुक्त करने से जयपुर जैन समाज का गोरव बढा। इस अवसर हेरीटेज संभाग के अध्यक्ष रूपेन्द्र जैन महामंत्री नरेश छाबड़ा एवं सभी पद अधिकारी एवं सदस्य श्री पार्श्वनाथ दि जैन मंदिर सोनियान के अध्यक्ष कमल दिवान सकल दि जैन समाज जगतपुरा एवं भारतवर्ष जैन समाज के गौरवशाली समाजसेवी विनय सौगानी डा राजीव जैन अजीत सौगानी जहाजपुर स्वस्तिधाम प्रणेती स्वस्ति भूषण माता जी के परम भक्त दर्पण बिलाला महिला मण्डल की महामंत्री अनीता जैन एवं जैन समाज के अन्य सभी समाजबंधुओं ने बधाइयां दी।

श्री अग्रसेन महाराज की जयंती आज

टोंक रोड पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा, होगी विशाल सभा एवं सामूहिक गोठ

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज के प्रथम पूज्य श्री अग्रसेन महाराज की जन्मजयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज सेवा समिति, टोंक रोड़ द्वारा तीन दिवसीय महाआयोजन किया जा रहा है, जिसकी शुरूवात त्रिवेणी नगर स्थित सामुदायिक केंद्र पर शुक्रवार को बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं डांस प्रतियोगिता के साथ प्रारंभ हुई थी जिसमें समाज के 10 वर्ष तक के 150 से अधिक बच्चों ने भाग लिया था, जिसमें समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल मुख्य अतिथि उपस्थित रहे थे। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष केके सिंघल और पूर्व महामंत्री मुकेश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया की दूसरे दिन शनिवार को प्रातः 8 बजे से शहीद मेजर योगेश अग्रवाल स्मृति खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें बालक और बालिकाओं के लिए रस्सी कूद प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की जिसमें एक चरण में कक्षा 5 तक के बच्चों को शामिल किया गया और दूसरे चरण में कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को शामिल किया गया। इसके बाद 50 मी. और 100 मी. की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, इसके उपरांत म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रातः 10 बजे से शैक्षणिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जो दोपहर 1 बजे तक संचालित हुई, शैक्षणिक प्रतियोगिता में चित्रकला प्रतियोगिता, सुलेख प्रतियोगिता और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर समाज के मंच से बच्चों को जोड़ा गया और समाज के संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया गया। दोपहर 1 बजे से महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी मुख्य अतिथि समाजसेविका शकुंतला अग्रवाल रही। इस सम्मेलन के दौरान रंगोली - मांडला प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, परिंडा सजावट, लक्ष्मी पूजन सजावट, हेयर स्टाइल, लाइट मेकअप, फ्लावर मेकिंग, महिला युगल नृत्य एवं म्यूजिकल प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन किए गए जिसमें टोंक रोड अग्रवाल समाज के हजारों लोग शामिल हुए। प्रचार मंत्री अरविंद अग्रवाल महाराज अग्रसेन जयंती का मुख्य आयोजन रविवार को प्रातः 6 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारंभ होगा, जिसकी शुरूवात टेलीफोन कॉलोनी, शिव मंदिर, टोंक फाटक से प्रारंभ होगी जो बरकत नगर, महेश नगर होते हुए श्री अग्रसेन भवन, बैंक कॉलोनी पहुंचेगी जहां पर प्रातः 8.30 बजे समिति अध्यक्ष आरडी गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद त्रिवेणी नगर सामुदायिक केंद्र पर प्रातः 11 बजे से अतिथियों और कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रवज्जलन किया जाएगा। अग्रवाल सेवा समिति द्वारा अतिथियों, वृद्धजन एवं मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।